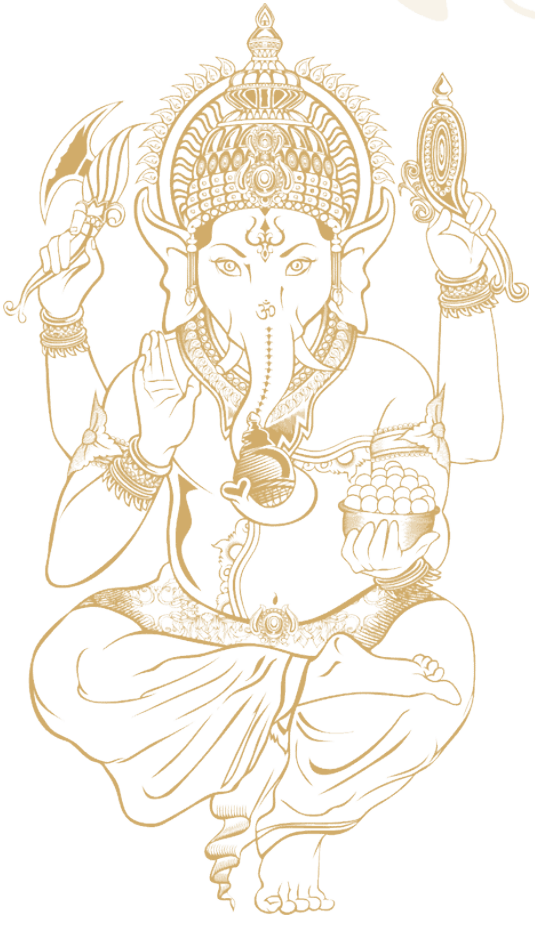

Mohit Sharma

12 Nov 1990

08:37 PM

Alwar

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121016703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/11/1990**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**20:37:00 घंटे**
इष्ट	34:47:19 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:13:20 घंटे
वेलान्तर	00:15:55 घंटे
साम्पातिक काल	23:39:16 घंटे
सूर्योदय	06:42:04 घंटे
सूर्यास्त	17:33:24 घंटे
दिनमान	10:51:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	26:14:16 तुला
लग्न के अंश	13:23:44 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वैधृति
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	13:23:44	321:53:07	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			तुला	26:14:16	01:00:22	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	नीच राशि
चंद्र			कन्या	03:07:17	12:33:31	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	मित्र राशि
मंगल	व		वृष	17:05:27	00:18:43	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
बुध		अ	वृश्चि	08:43:48	01:30:39	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
गुरु			कर्क	19:21:46	00:03:22	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शुक्र		अ	तुला	29:00:10	01:15:19	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	स्वराशि
शनि			धनु	26:59:32	00:04:35	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	सम राशि
राहु	व		मक	07:26:48	00:07:01	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	07:26:48	00:07:01	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	मित्र राशि
हर्ष			धनु	13:16:51	00:02:43	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
नेप			धनु	18:44:01	00:01:33	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो			तुला	24:03:53	00:02:25	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			मीन	00:37:23	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:59

लग्न-चलित

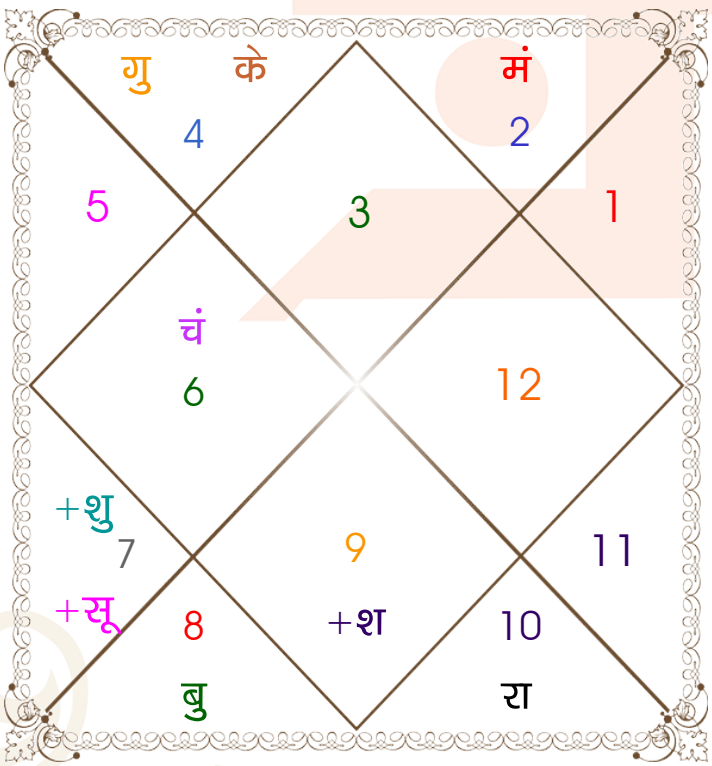

चन्द्र कुंडली

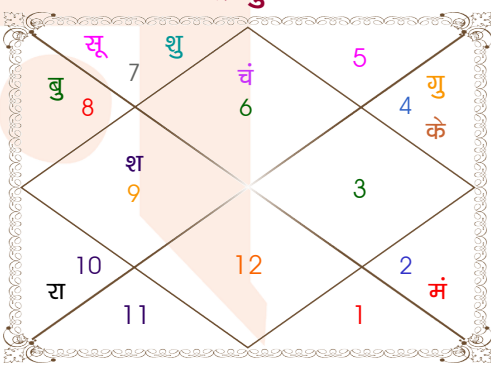

नवमांश कुंडली

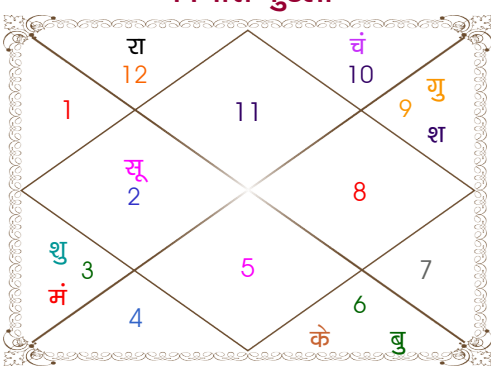

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 1 मास 4 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
12/11/1990		17/12/1993		17/12/2003		17/12/2010		17/12/2028	
17/12/1993		17/12/2003		17/12/2010		17/12/2028		17/12/2044	
	00/00/0000	चंद्र	17/10/1994	मंगल	15/05/2004	राहु	29/08/2013	गुरु	04/02/2031
	00/00/0000	मंगल	18/05/1995	राहु	02/06/2005	गुरु	23/01/2016	शनि	17/08/2033
	00/00/0000	राहु	16/11/1996	गुरु	09/05/2006	शनि	29/11/2018	बुध	23/11/2035
	00/00/0000	गुरु	18/03/1998	शनि	18/06/2007	बुध	17/06/2021	केतु	29/10/2036
	12/11/1990	शनि	18/10/1999	बुध	14/06/2008	केतु	06/07/2022	शुक्र	30/06/2039
शनि	05/10/1991	बुध	18/03/2001	केतु	10/11/2008	शुक्र	06/07/2025	सूर्य	17/04/2040
बुध	11/08/1992	केतु	17/10/2001	शुक्र	10/01/2010	सूर्य	30/05/2026	चंद्र	17/08/2041
केतु	17/12/1992	शुक्र	18/06/2003	सूर्य	18/05/2010	चंद्र	29/11/2027	मंगल	24/07/2042
शुक्र	17/12/1993	सूर्य	17/12/2003	चंद्र	17/12/2010	मंगल	17/12/2028	राहु	17/12/2044

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
17/12/2044		17/12/2063		17/12/2080		17/12/2087		18/12/2107	
17/12/2063		17/12/2080		17/12/2087		18/12/2107		00/00/0000	
शनि	20/12/2047	बुध	15/05/2066	केतु	15/05/2081	शुक्र	18/04/2091	सूर्य	06/04/2108
बुध	30/08/2050	केतु	12/05/2067	शुक्र	15/07/2082	सूर्य	17/04/2092	चंद्र	06/10/2108
केतु	08/10/2051	शुक्र	12/03/2070	सूर्य	20/11/2082	चंद्र	17/12/2093	मंगल	10/02/2109
शुक्र	08/12/2054	सूर्य	17/01/2071	चंद्र	21/06/2083	मंगल	16/02/2095	राहु	05/01/2110
सूर्य	20/11/2055	चंद्र	17/06/2072	मंगल	17/11/2083	राहु	16/02/2098	गुरु	24/10/2110
चंद्र	20/06/2057	मंगल	14/06/2073	राहु	05/12/2084	गुरु	18/10/2100	शनि	13/11/2110
मंगल	30/07/2058	राहु	02/01/2076	गुरु	10/11/2085	शनि	18/12/2103		00/00/0000
राहु	05/06/2061	गुरु	09/04/2078	शनि	20/12/2086	बुध	18/10/2106		00/00/0000
गुरु	17/12/2063	शनि	17/12/2080	बुध	17/12/2087	केतु	18/12/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 1 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।